

● मार्ग बताओ :

१५. चलो- चलें



□ चित्र का निरीक्षण कराएँ। चित्र में आए सांकेतिक चिह्नों का वाचन एवं परिचय कराएँ। विद्यार्थियों से गोलू-भोलू को पेंग्विन के घर तक पहुँचाने वाले मार्ग को रेखांकित करने के लिए कहें। इसी प्रकार के अन्य सांकेतिक चिह्न बताने के लिए प्रेरित करें।



* पुनरावर्तन-३ *

१. अनुस्वारवाले (ं) शब्दों को सुनो, समझो और दोहराओ :

अङ्क-अंक, चञ्चल-चंचल, झण्डा-झंडा, सुन्दर-सुंदर, मुम्बई-मुंबई; टंकी, पंख, पतंग, कंघी, कंचा, पंछी, अंजीर, झंझावात, घंटी, कंठ, डंडा, पंढरपुर, संत, पंथ, बंदर, कंधा, पंप, गुंफन, कंबल, खंभा ।

२. घायल पक्षी को देखकर तुम्हारे मन में कौन-से भाव उठते हैं, बताओ ।

३. पढ़ो और समझो :

(क) मैं पाँचवीं कक्षा में पढ़ रहा हूँ ।

(ख) मृणाल ने पूछा, “उदय ! कहाँ गए थे ?” उदय ने कहा, “मैं भोपाल गया था ।”

(ग) रौनक बिल्ली की ओर दौड़ा और वह भाग गई ।

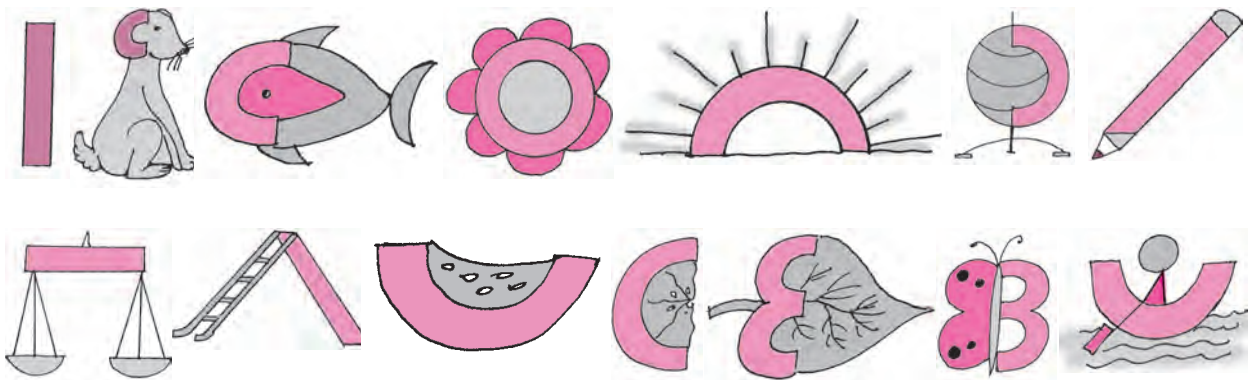
(घ) राजू खेल रहा है । उसके साथी बैठे हैं ।

(च) सोहन की बिल्ली इतनी प्यारी है कि सब उसे उठा लेते हैं ।

४. उचित शब्द बनाकर लिखो :

ख आँ	र पै	न का	ठ हों
ज ग का	ट ना घु	र द बं	त र भा
ई र पा चा	व ली दी पा	ला शा ठ पा	वा ल री फु

५. वर्ण अवयवों का उपयोग करते हुए अपने मन से उनके चित्र बनाओ :



कृति/उपक्रम

विद्यालय में पहले दिन के अपने अनुभव सुनाओ ।

किसी समारोह के बारे में पाँच वाक्य बोलो ।

पंचतंत्र/ हितोपदेश की कहानियाँ पढ़ो ।

एक चित्र बनाओ और उसका वर्णन दो-तीन वाक्यों में लिखो ।



* पुनरावर्तन-४ *

१. सुनो और दोहराओ :

मैं		रहा/ रही हूँ।
हम		रहा/ रही है।
तू	जा	रहे हो/ रही हो।
तुम		रहे हैं/रही हैं।
आप		

यह		
ये		रहा है/ रही है।
वह	जा	रहे हैं / रही हैं।
वे		

२. तुम्हारे मित्र के पास कॉपी खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। तुम्हारी माँ ने मेला देखने के लिए तुम्हें तीस रुपये दिए हैं, इस स्थिति में तुम्हारे मन में कौन-से भाव जगते हैं, बताओ।

३. पढ़ो और समझो :

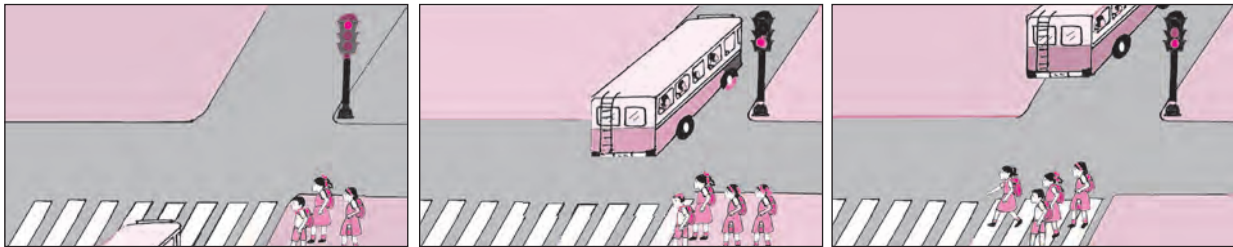
विद्यालय : जहाँ विद्यार्थी पढ़ते हैं।

खेल खेलने वाला : खिलाड़ी।

जादूगर : जादू दिखाने वाला।

सच बोलने वाला : सत्यवादी।

४. सिग्नल के चित्रों का वाचन करो और सिग्नल पार करते समय तुम क्या सावधानी बरतते हो, लिखो :



५. पढ़ाई करने के बाद भी तुम्हें परीक्षा से डर लग रहा है तो तुम क्या करोगे, बताओ :

(क) बड़ों से बातचीत करोगे। (ख) खेलने जाओगे। (ग) गाना सुनोगे अथवा गाओगे। (घ) आराम करोगे।

कृति/उपक्रम

भारत की पाँच विशेषताएँ सुनाओ।

परिसर में देखे हुए वृक्षों के नाम बताओ।

तेनालीराम की कहानियाँ पढ़ो।

तुम्हें कौन-सा खेल पसंद है और क्यों, लिखो।

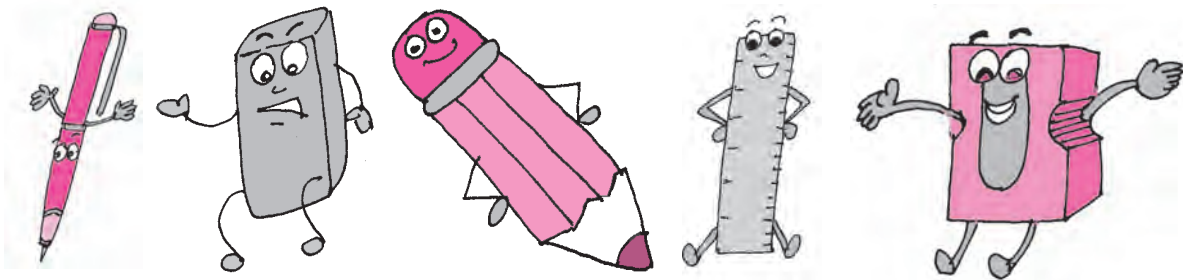
* शब्दार्थ *

पहली इकाई

२. हवा : इठलाना = इतराना; चंचल = अस्थिर; ठुमकना = नृत्य की मुद्रा में चलना;
मटकना = अंग हिलाकर चलना; दुलारना = लाड़-प्यार करना; तड़के = प्रातःकाल, सवेरा ।
८. माँ : प्रारूप = आकार; सुरूप = सुंदर रूप; ब्रह्मांड = विश्व ।
९. मोती जैसे दाँत : शीत = ठंडा; झँझोड़ना = जोर से हिलाना ।
- पुनरावर्तन- १ : खार = काँटा; मेघा = बादल; मेधा = बुद्धि; सेर = वजन करने की पुरानी इकाई; चारण = स्तुति करने वाला; उघाड़ = खोलना; सरपत = एक प्रकार की घास ।
- पुनरावर्तन- २ : बेल = लता; ओज = तेज; छत्र = छत, छाता; रिपु = शत्रु;
कसौटी = परीक्षा, जाँच, परख; झाँझ = एक तरह का ताल वाद्य ।

दूसरी इकाई

२. लालची कुत्ता : पटरा = लकड़ी का चौरस टुकड़ा, पाटा; हथियाना = हड़पना;
भौंचक्का = आश्चर्यचकित; मुँहबाय = मुँह फैलाकर; बलाय = बला, संकट ।
३. खिचड़ी : कारनामा = बड़ा कार्य; हँडिया = हंडी; आँच = गरमी ।
५. जुड़े हम : अग्रसर = आगे बढ़ा हुआ; रफ्तार = गति; संपदा = संपत्ति, धन ।
९. भारत : अनुपम = बेजोड़; अजूबा = आश्चर्य में डालने वाला; दूजा = दूसरा;
मुँड़ेर = छत के ऊपर कम ऊँचाई की दीवार; प्रभाती = सुबह के समय गाने वाला गीत ।
१३. (ब) छुक-छुक गाड़ी : भाद्रपद = भादों; अग्रहायण = अगहन; फाल्गुन = फागुन ।
१४. निरीक्षण : स्वस्थ = निरोगी, तंदुरुस्त; निष्कर्ष = निचोड़ ।
- पुनरावर्तन- ३ : झंझावात = तेज आँधी; पंथ = मार्ग; गुंफन = गुँथा हुआ ।



* उत्तर *

पुनरावर्तन -२, पृष्ठ क्र. १८, प्रश्न ४ का उत्तर :

आम, पीपल, कमल, नीम, अंगूर, शमी, अशोक, गुलाब, इमली, बेल, केला, गुड़हल, नारियल ।

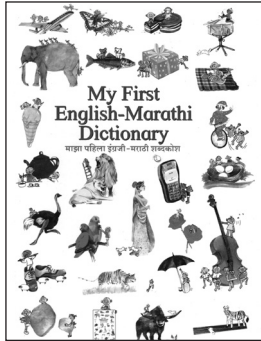
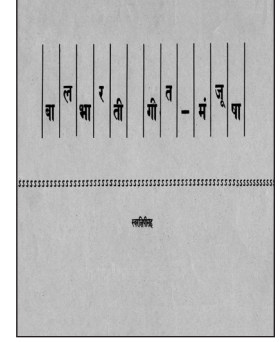
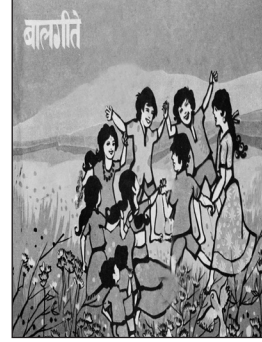
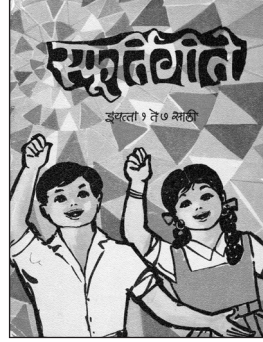
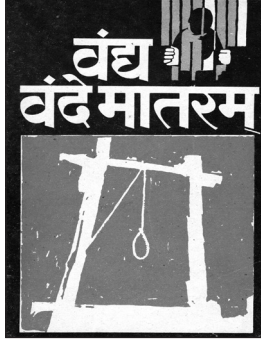
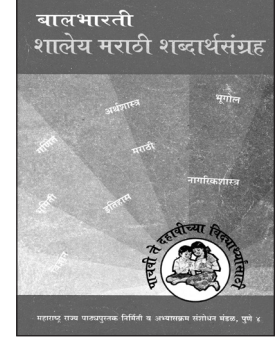
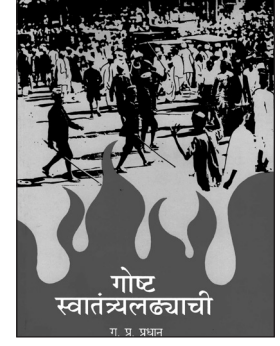
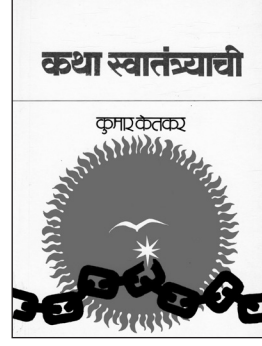
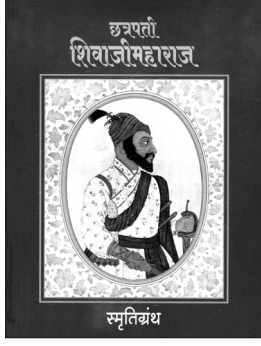
- लिखो, पढ़ो और सुनाओ :



१. वर्णमाला क्रम से पढ़कर सुनाओ ।



२. 'क' की बारहखड़ी लिखकर पढ़ो ।



- पाठ्यपुस्तक मंडळाची वैशिष्ट्यपूर्ण पाठ्येत्तर प्रकाशने.
- नामवंत लेखक, कवी, विचारवंत यांच्या साहित्याचा समावेश.
- शालेय स्तरावर पूरक वाचनासाठी उपयुक्त.



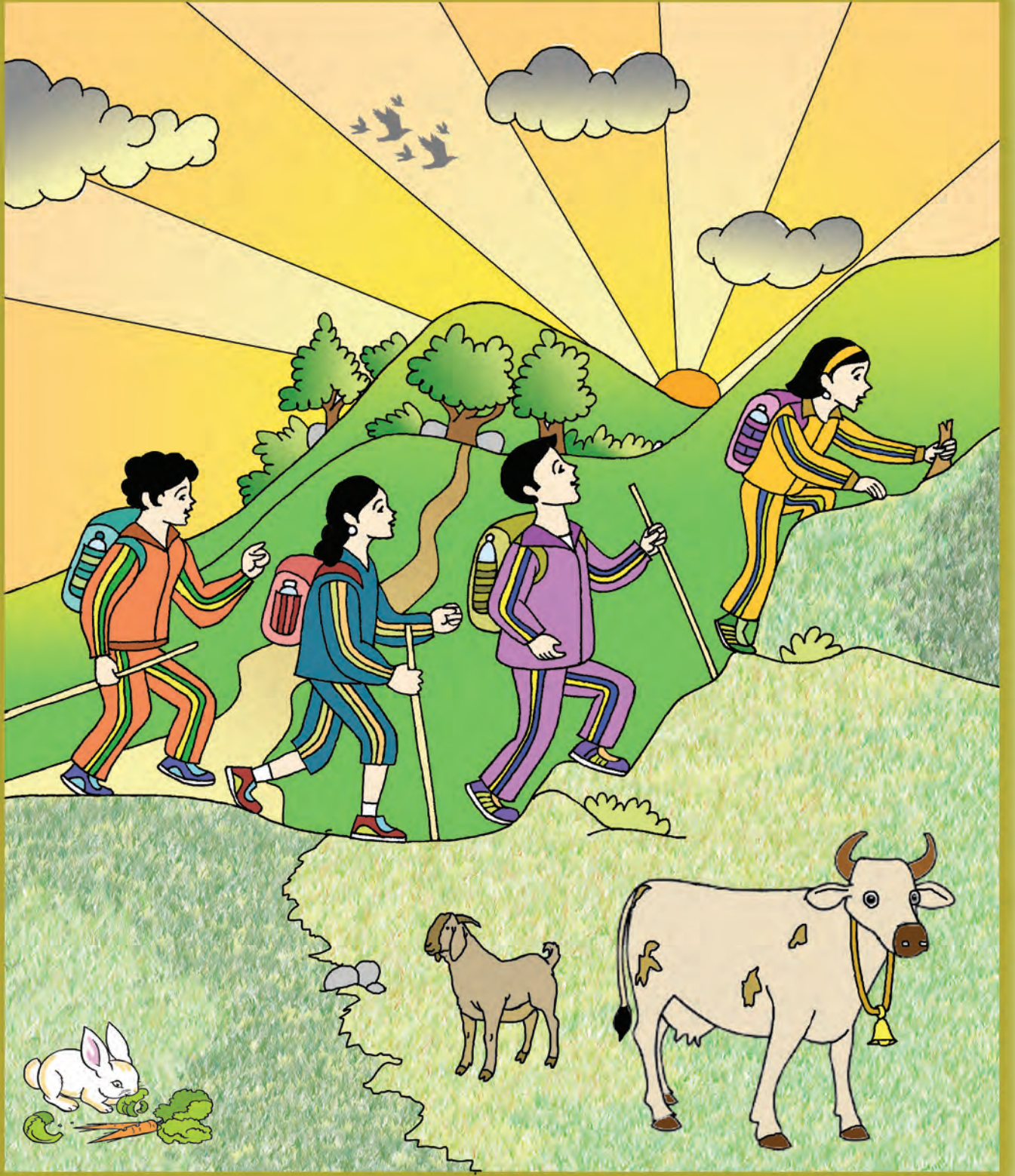
पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.



ealbhharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर - ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७९८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९९५९९, औरंगाबाद - ☎ २३३२९७९, नागपूर - ☎ २५४७७९६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी सुगमभारती इयत्ता पाचवी

₹ २१.००